नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिएस, बिबिएस र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक ३०२ वि.सं. २०८२ जेठ ०९ गते शुक थारु सम्वत (२६४८) [Friday 23 May 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

फोहर व्यवस्थापनमे नमुना बन्टी धनगढी उपमहानगर

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ८ जेठ । सुदूरपश्चिमके अस्थायी राजधानी धनगढी पाछेक समय फोहर व्यवस्थापनमे नमुना सहर बनल बावै । सुदूरपश्चिमके मुख्य व्यापारिक सहर धनगढीमे स्थानीय सरकार ओ नगरवासीके साझा प्रयासमे सरसफाइ अभियान सञ्चालन हुइटी रहल हो ।

२०७९ मे सम्पन्न स्थानीय तह निर्वाचनमे स्वतन्त्र उम्मेदवार पालिका प्रमुख जिटल मुख्य स्थानीय तहमे धनगढी उपमहानगर फेन एक हो । काठमाडौं महानगरपालिका, धरान उपमहानगरपालिका ओ धनगढी उपमहानगरपालिकाके प्रमुखमे स्वतन्त्र उम्मेदवार विजयी हुइल रहिट । ओट्ठनसे यहोर यी तीन पालिका देश-विदेशमे रहल नेपालीके मुख्य चासोके विषय बन्टी आइल बावै ।

धनगढी उपमहानगरपालिकाके प्रमुखमे स्वतन्त्र उम्मेदवार गोपाल हमाल विजयी हुइलसँगे फोहर व्यवस्थापनहे महत्त्व डेहल स्थानीय बटैले बटै । तीन बरस आघेसम सडकके आँजरपाँजर फोहरके घुरौरा डेखजैना धनगढीमे अब्बे उ अवस्था नैरहल धनगढी-३ के द्रौपदी भट्ट बटैली । 'पहिले टे सडक आँजरपाँजर फोहर रहे, अब्बे ठाउँठाउँमे डस्टबिन राखल बावै । फोहर नैबिल्गठ,' उहाँ कहली । भट्टके अनुसार धनगढीके जनतामे फोहर व्यवस्थापनमे नयाँ जागरण फेन आइल बावै । फोहर जहाँर टहाँर नैफँके परठ, कुहना ओ नैकुहना फोहर अनिवार्य छुट्टयाके अलग-अलग डस्टबिनमे राखे परठ कना चेतना यहाँके नागरिकमे विकास होसेकल उहाँ बटैली ।

धनगढी उपमहानगरपालिका-२, मिलनचोकके कलावती खत्री आपन घरमे पाँचठो डस्टबिन रख्ले बटी । प्रारम्भमे तीन डस्टबिन (कुहना, नैकुहना ओ सीसा लगायतके वस्तु राखक लाग) प्रयोग करल उहाँ थप दुईमेरके फोहरके लाग डस्टबिन थपल हुइटी । स्यानिटरी प्याड, डाइपर, प्याम्पर्सके लाग एकठो डस्टबिन ओ मुर्गीनके पख्ना, भुट्ला, हड्डी राखक लाग औरे डस्टबिन आवश्यक रहल उहाँके कहाइ रहल बावै । पहिले सक्कु मेरके फोहर अक्के डस्टबिनमे रख्ना बानी परल उहाँ अब्बे शिक्षित नागरिकके रूपमे फोहर छुट्टयाके रख्ना सक्रिय बटी ।

धनगढी उपमहानगरपालिकासे हाल उत्पत्तिके स्रोतमे फोहर वर्गीकरण अनिवार्य बनैले बावै । वर्गीकरण नैहुइल फोहर उपमहानगरसे नैउठाइठ् । कुहना ओ नैकुहना फोहरके लाग अलग-अलग ट्याक्टर टोलटोलमे पुगठ् । धनगढी-२ के शीतल टोलके भागादेवी महराके अनुसार पहिले फोहर जहाँर टहाँर फँक्ना करलमे हाल उपमहानगरसे लानल लावा व्यवस्थासे सहज हुइल बावै । धनगढी अब्बे सफा हुइल बावै । जहाँर टहाँर फोहर फँकल नैडेखजाइठ् । जहाँर टहाँर फेकलनमे दण्ड जरिबाना टिरे परठ् । सार्वजनिक स्थानमे जहाँर टहाँर फोहर फँकलमे पाँच सयसे १५ हजार रुपैयाँसम जरिबाना लग्ना व्यवस्था करल बावै ।

उपमहानगरपालिकाके कर्मचारीले जहाँर टहाँर फोहर नैफेक्ना बेलाबेला माइकिङ समेत कैटी आइल बटै । नियममे कडाइके साथे जनमानसमे सचेतना लानके फोहर व्यवस्थापनमे उपमहानगरसे निर्वाह करल भूमिकाहे जनता नमुना कामके संज्ञा डेटी रहल बटै । धनगढीके सफाइ डेखके स्थानीय खुसी बटै ।

धनगढी-उपमहानगरपालिका-४ के सुनिता विष्ट कहली, 'धनगढी सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्य सहर हो । व्यस्त बजारमे सरसफाइ व्यवस्थापनके काम हुइना उदाहरणीय बा । टोल अनुसार समय तालिका मिलाके फोहर सक्तलन कैना सफाइ कर्मचारी समयमे अइठै ।' यी अभियानमे सक्कु जाने साथ डेहे पर्ना उहाँके कहाइ रहल बावै । उहाँ कहली, 'आउर प्रभावकारी रूपमे यी कामहे आघे लैजैना जरुरी बावै ।'

हाल उपमहानगरमे स्थायी फोहर व्यवस्थापन केन्द्र नैरहलेसे फेन वडा नम्बर ७ मे ४३ बिघा क्षेत्रफलमे ल्यान्डफिल साइट निर्माणके योजना बनैले बावै । उ काम कब सुरु हुइना कना टुंगो लागल नैहो । तत्कालके लाग उपमहानगरपालिकासे अलग-अलग गाडी पठाके वडा नम्बर २ मे रहल फोहरमैला सूक्ष्म वर्गीकरण केन्द्रमे संकलन कैके थप वर्गीकरण कैटी आइल बावै । सूक्ष्म वर्गीकरण केन्द्र सञ्चालन पश्चात् फोहर व्यवस्थापनके कामसँगे उपमहानगरपालिकासे लाखौं रुपैयाँ आम्दानी समेत करे लागल बावै । २०८० कुँवारमे धनगढी उपमहानगरपालिका ओ स्रोत व्यवस्थापन प्रालिबिच फोहर व्यवस्थापन अन्तर्गत सरसफाइ कार्यक्रम चलैना विषयमे सम्झौता हुइल रहे । ओकरपाछे उ कम्पनीसे उत्पत्तिके स्रोतमे फोहर वर्गीकरणके अभ्यास सिखाइल रहे ।

वर्गीकरण केन्द्र निर्माण सम्पन्न नैहुइटसम वैकल्पिक उपायस्वरूप घरघरमे फोहर छुट्टयाइना अभ्यासहे प्राथमिकता डेहल रहे । उ बेला उपमहानगरसे टोल विकास संस्था, आमा समूह ओ विद्यालयमे अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन करल रहे । नगरवासीनके व्यवहार परिवर्तन कराइक लाग अभिमुखीकरण ओ *(बाँकी २ पेजमे)*

सहिद दशरथ चन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय सञ्चालन कैना बजेट माग

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ८ जेठ । सहिद दशरथ चन्द राष्ट्रिय स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय सञ्चालनके लाग बजेट माग करल बावै ।

कैलालीके गोदावरी नगरपालिका-५ गेटामे सहिद दशरथ चन्द राष्ट्रिय स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय स्थापनार्थ संघर्ष समितिसे नेपाल सरकारसँग बजेट माग करल हो ।

स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय सम्बन्धी कानुन प्रतिनिधि सभासे पारित हुइलपाछे प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओलीहे जिल्ला प्रशासनमार्फत धन्यवाद पत्र पठैटी बजेट माग करल हो । समितिके संयोजक लोकराज पाण्डे आगो गेटामे विश्वविद्यालय सञ्चालनके लाग तीन अर्ब बजेट आवश्यक हुइ सेक्ना बटैलै ।

समितिसे जिल्ला प्रशासन कार्यालय, कैलालीमार्फत प्रधानमन्त्रीहे बुझाइल पत्रमे कहल बावै, 'आर्थिक बरस २०८२/०८३ के बजेट संघीय संसदमे २०८२ जेठ १५ गते प्रस्तुत कैना हुइल ओरसे आगामी आर्थिक बरसके बजेटमे स्वास्थ्य विज्ञान विश्व विद्यालय ओ शिक्षण अस्पताल सञ्चालनके लाग आवश्यक बजेटके प्रबन्ध करडेहक लाग हार्दिक अनुरोध करटी ।'

समितिसे स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय सञ्चालनके ऐनमे व्यवस्था हुइल अनुसारके पदाधिकारीनहे नियुक्ति प्रक्रिया ओ आगामी आर्थिक बरस भित्रे चिकित्सा शिक्षा अन्तर्गत एमबीबीएसके कोटा निर्धारणके प्रक्रिया आघे बढ्हैना माग करल बावै । समितिसे ज्ञापन पत्रमार्फत जेठ ४ गते प्रतिनिधि सभासे सहिद दशरथ चन्द राष्ट्रिय स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय सम्बन्धी ऐन पारित हुइलमे प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओली, सभामुख, राष्ट्रिय सभाके अध्यक्ष, पूर्व प्रधानमन्त्री शेरबहादुर देउवा ओ पुष्पकमल दहाल (प्रचण्ड), *(बाँकी २ पेजमे)*

वन अधिकृत विचारीहे कालो मोसो

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ८ जेठ । डिभिजन वन कार्यालय कञ्चनपुरके वन अधिकृत राम विचारी ठाकुरहे कालो मोसो छिटके दुर्व्यवहार हुइल बावै । डिभिजन वन अधिकृत ठाकुरहे करिया मोसो छिट्टी रहल भिडिओ सामाजिक सञ्जालमे भाइरल हुइल बावै ।

घटना बिफेक रोज १२ बजे ओरके रहल कञ्चनपुरके प्रमुख जिल्ला अधिकारी लक्ष्मण ढकाल जानकारी डेलै । 'उहाँउपर दुर्व्यवहार हुइल बावै । उहाँके कहाइ अनुसार तीन जनहनके समूहमे आइल व्यक्ति करिया लेदासहितके पदार्थ छिट्ले बटै,' उहाँ कहलै, 'भिडिओमे हम्रे फेन हेरली । उहीसे के हुइट परिचय नैखुलल् हो । सिसिटिभी फुटेज कत्रा उपलब्ध हुइठ् । हेरके अनुसन्धान हुइ ।'

घटनाके जिम्मा हालसम कोइ फेन लेहल नैहो ।मने, उक्त भिडिओ कम्युनिस्ट युवा संगठन नेपालके फेसबुक पेजलगायतसे सार्वजनिक हुइल बावै । उक्त समूह धर्मेन्द्र बास्तोला नेतृत्वके नेकपा बहुमतसँग आबद्ध रहल बावै ।

नसर्ने रोगबाट बच्ने उपाय ।

❖धूमपान र मद्यपान नगरौं,
❖ दैनिक शारीरिक व्यायाम गरौं,
❖मानसिक तनावबाट मुक्त रहौं,
❖अस्वस्थकर खानपान र जीवनशैली नअपनाऔं,
❖ स्वस्थकर र सन्तुलित भोजन गरौं,
❖ नियमित स्वास्थ्य जाँच गरौं,

समयमै नसर्ने रोगको जाँच गराऔं, स्वस्थ र दीर्घ जीवन बाँचौ ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

सुधारके शुभारम्भ शिरसे

विचार

यज्ञप्रसाद भट्टराई

कौनो फेन राष्ट्र वा संस्थामे सुधार तब किल दीर्घकालीन ओ प्रभावकारी रहठ, जब ओकर नेतृत्व स्वच्छ, उत्तरदायी ओ सुधारप्रति प्रतिबद्ध रहठ कना यकर सैद्धान्तिक मान्यता हो । शिर (राजनीति) सुधार हुइलेसे औरे अंग (कर्मचारी, जनता, प्रणाली) फेन ओकर अनुसरण करना बाध्य हुइठैं । परिवर्तनके सुरुवात मूलसे वा राजनीतिक तहसे करे परठ । मुलुकमे परिवर्तनके लाग राजनीति वा राजनीतिक नेतृत्व मार्गदर्शक हो तसर्थ सुरुवात फेन ओहेसे हुइ परठ, यिहिनसे ओकर प्रभाव असरदायी रहठ । मुलुकमे राजनीतिक पद ओ सुविधा कटौती करटि सुधार करना निर्णय विश्वके टमान देशसे करल पाजाइठ । प्रायः आर्थिक संकट, जनदबाब, बजेट घाटा, भ्रष्टाचार नियन्त्रण वा शासनके विश्वसनीयता पुनर्स्थापना करना प्रयासके रूपमे सुधार टमान समयमे टमान कारणसे लागु करल उदाहरण विश्वके टमान देशमे पाजाइठ ।

ग्रिसमे सन् २०१०/२०१८ मे संसद् सदस्यके तलब घटागिल । मन्त्रीहुकनके संख्या घटागिल ओ राजनीतिक सल्लाहकारके पद कटौती करल पाजाइठ । इटालीमे सन् २०११/२०१३ मे संसद् सदस्यके संख्या घटैना प्रस्ताव नानल । बेलायतमे सन् २०१० पाछे मन्त्री ओ सांसदहुकनके तलब वृद्धि स्थगन करल रहे । सःशुल्क सल्लाहकारके संख्या फेन घटाइल रहे । भारतमे सन् २०२० (कोभिड–१९ महामारी समयमे) सांसद तथा मन्त्रीहुकनके तलब ३० प्रतिशतसे कटौती करल रहे । सांसद विकास कोषहे दुई वर्षके लाग स्थगन करल पागिल ।

माल्दिभ्समे सन् २०१८/२०२० के समयमे राजनीतिक नियुक्ति घटाइल रहे । साथे मन्त्री ओ सांसदहे खर्च नियन्त्रणसमेत करगिल । अस्टेक सल्लाहकारके संख्या फेन घटाइल बा । अब्बेक राष्ट्रपति फेन व्यापक रूपमे राजनीतिक पद कटौती करना निर्णय करल बा । अर्जेन्टिनामे सन् २०१८ मे मन्त्रालयके संख्या घटाके २२ से १० करल रहे । राजनीतिक नियुक्तिमे प्रतिबन्ध लगाइल बा । केन्यामे सन् २०२३ मे सरकारी तामझाममे खर्च घटैना घोषणा करगिल । मन्त्रीपरिषद्के सुविधा (गाडी, सुरक्षा, भत्ता) मे कटौती करगिल । नयाँ राजनीतिक नियुक्तिमे रोक लगाइल बा । यिहिनसे सुधारके सुरुवात राजनीतिक तहसे वा शिरसे हुइपरना रहल करना इंगित करठ । राजनीतिक पद ओ सुविधामे कटौती प्रायः आमरूपमे सुधार करना वा अर्थतन्त्रमे सुधार करना वा जनदबाबके कारणसे करजाइठ । अइसिन निर्णयसे सरकारके विश्वसनीयता बह्राइठ । अइसिन सुधार राजनीतिक नेतृत्व वा तहसे पहल कैके लागु करजाइठ ओ यकर प्रभाव देशके अर्थतन्त्र, जनजीवन ओ राजनीतिक स्थिरता उप्पर परे सेकठ ।

हमार देशमे फेन यी मेरिक सुधारके टड्कारो आवश्यकता महसुस करल बा । नागरिकके तहसे फेन अइसिन बाट उठ्ना करल बा । अर्थतन्त्रमे सुधार करना ओ जनआवाजहे फेन सम्बोधन करनाके साथे देशमे सकारात्मक सन्देश प्रवाह करना कुछ राजनीतिक पद ओ ओइसिन पदहे प्रदान करल सुविधा कटौती कैके सुधारके सुरुवात करना आवश्यक बा ।

राष्ट्रपति ओ उपराष्ट्रपतिके पारिश्रमिक ओ सुविधासम्बन्धी ऐन, २०७४ के दफा १३ मे राष्ट्रपतिसे सात ओ उपराष्ट्रपतिसे पाँच जाने विज्ञ नियुक्त करे सेक्ना व्यवस्था बा । दफा १४ मे राष्ट्रपतिके निजी सचिवालयमे ३१ जाने ओ उपराष्ट्रपतिके निजी सचिवालयमे १५ जाने कर्मचारी रहना व्यवस्था बा । यी संख्या कुछ किल घटैना उपयुक्त रहठ । विज्ञके संख्या घटैना ऐनमे संशोधन करेपरना रहठ मने निजी सचिवालयमे रहना कर्मचारीके संख्या नेपाल सरकारसे अनुसूचीमे संशोधन कैके घटाइ सेकि ।

प्रदेश प्रमुखके पारिश्रमिक तथा सुविधासम्बन्धी ऐन, २०७४ के दफा १३ मे प्रदेश प्रमुखसे नियुक्ति करना विज्ञके संख्या नेपाल सरकारसे तोकलबमोजिम हुइना व्यवस्था बा । दफा १४ मे प्रदेश प्रमुखके निजी सचिवालयमे १२ जाने कर्मचारी रहना व्यवस्था करल बा । यम्ने विज्ञके संख्या नेपाल सरकारसे घटाइ सेक्ना ओ निजी सचिवालयमे रहना कर्मचारीके संख्या सरकार अनुसूचीमे संशोधन कैके घटाइ सेकि ।

मन्त्रीहुकनके पारिश्रमिक ओ सुविधासम्बन्धी ऐन, २०४९ के दफा १३ मे निजी सचिवालयके लाग कर्मचारी तोकलबमोजिम रना व्यवस्था बा । नेपाल सरकारके निर्णयसे विज्ञ एवं निजी सचिवालयमे रहल कर्मचारीके संख्या अधिक मात्रमे तोकल बा । प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रीहुकनके निजी सचिवालयमे रहना कर्मचारी एवं विज्ञके संख्या सरकारसे तोकल ओरसे नेपाल सरकारसे कुछ किल संख्या घटाइ सेकि । संघीय संसद्के पदाधिकारी ओ सदस्यके पारिश्रमिक ओ सुविधासम्बन्धी ऐन, २०७३ के दफा ५ मे निजी सचिवालयमे रहना कर्मचारी अनुसूची–२ बमोजिम रना व्यवस्था बा । अनूसूचीमे कर्मचारीके संख्या तोकल बा । अनुसूची सरकारसे हेरफेर करे सेक्ना व्यवस्था बा ।

सभामुख, अध्यक्ष, विपक्षी दलके नेता, सत्ता पक्षके नेता, सत्ता पक्षके मुख्य सचेतक, उपसभामुख, उपाध्यक्ष, विपक्षी दलके प्रमुख सचेतक, सत्ता पक्षके प्रमुख सचेतक, दलके प्रमुख सचेतक, सत्ता पक्षके सचेतक, विपक्षी दलके सचेतक ओ सभापति तथा संसद् सदस्यके निजी सचिवालयमे कर्मचारी रहना व्यवस्था बा । यसर्थ अनुसूची हेरफेर कैके निजी सचिवालयमे कर्मचारीके संख्या घटाइ सेक्जाइ । प्रदेशमे समेत ओहेबमोजिम कानुन बनाके ढेर संख्यामे विज्ञ एवं निजी सचिवालयमे कर्मचारी ढरना व्यवस्था रहल ओ केन्द्रके संख्यामे कटौती हुइल प्रदेश फेन पुनर्विचार करना बाध्य हुइना ओ खर्च कटौती फेन हुइल बा ।

खर्च कटौती करे सेक्ना अन्य विषय फेन रहल बा । नेपाल कानुन आयोग ऐन, २०६३ के दफा ४ मे अध्यक्ष ओ उपाध्यक्ष रहना व्यवस्था बा । सरकारसे मनोनित करल तीन जाने सदस्यसमेत रहना ओ अन्य पदेन सदस्य रहना व्यवस्था बा । दफा १४ मे अध्यक्ष ओ उपाध्यक्षसे क्रमशः सर्वोच्च अदालतके न्यायाधीश ओ संवैधानिक निकायके प्रमुख पदाधिकारीसे पाइलसरहके पारिश्रमिक ओ सेवा सुविधा पैना व्यवस्था बा । यम्ने फेन उ ऐन संशोधन कैके उपाध्यक्ष पद हटाके अध्यक्ष किल रहना व्यवस्था करना उपयुक्त रहठ ।

महालेखा परीक्षकके ६२ औं प्रतिवेदनसे समेत निर्वाचित हुइना पदबाहेक राज्यकोषसे तलब सुविधा बेहोरना मेरिक नियुक्त हुइना पदमे योग्यता ओ मापदण्ड तोके परठ कना सुझाव डेहल बा । कार्यविवरण बेगरके पद ओ कार्यक्षेत्र दोहोरो परना मेरिक स्थापना हुइल निकायके पुनरवलोकन करेपरना विषय उठल बा । उदाहरणके रूपमे ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिँचाइ मन्त्रालय अन्तर्गत परना जलस्रोत अनुसन्धान तथा विकास केन्द्र, जलस्रोत तथा सिँचाइ विभाग, भूमिगत जलस्रोत विकास समिति, जल तथा उर्जा आयोगके सचिवालय ओ विद्युत् विकास विभागके कुछ कार्यमे दोहोरोपन रहल ओ कामके प्रकृतिसमेत मिल्लाजुल्ला हुइल होके यी संरचनाहे गाभके एक निकाय बनाइ सेक्जाइ । अइसिन मेरिक टमान संरचना पुनरवलोकन करेपरना रहठ । विगतके सार्वजनिक खर्च पुनरवलोकन करनासम्बन्धी टमान प्रतिवेदनसे समेत अइसिन विषय उठान करले बा ।

नेपालके संविधानमे समेत टमान आयोग ओ निकाय रहल बा । संविधानमे रहल १२ ठो संवैधानिक आयोगमे अध्यक्ष ओ चार जाने सदस्य कैके पाँच सदस्यीय आयोग रहना व्यवस्था बा । कुछ आयोग जस्टे अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग ओ लोक सेवा आयोगमे कार्यचाप ढेर बा । यी दुई आयोगबाहेक औरे १० ठो आयोगमे अध्यक्षसहित तीन जाने सदस्य ढरना उपयुक्त रहठ ।

भारतमे निर्वाचन आयोगमे तीन जाने सदस्य रहना व्यवस्था बा । कार्य चापके हिसाबसे नेपाल जस्टे देशमे अइसिन टमान संख्यामे आयोगमे रहना पदाधिकारी आवश्यक नैपरठ । यिहिनसे ढेर खर्च फेन बह्राइल बा । यकर लाग संविधान संशोधन करेपरना रहठ । आगामी बजेटमे सरकारसे राजनीतिक सहमतिके आधारमे संविधान संशोधन कैके संवैधानिक आयोग ओ अन्य आयोगमे रहना पदाधिकारीके संख्यामे पुनरवलोकन करल बा *(बाँकी ३ पेजमे)*

> राजनीतिक पद एवं पदाधिकारीके निजी सचिवालयमे रहना कर्मचारीके योग्यता एवं नियुक्ति प्रक्रियासमेतके सम्बन्धमे टमान तह ओ तप्कासे आवाज उठल बा । राजनीतिक पद एवं पदाधिकारीके निजी सचिवालयमे रहना कर्मचारीसे राज्यके स्रोतसे तलबभत्ता खैना व्यवस्था बा । यी सार्वजनिक जवाफदेहीके पद हो । तसर्थ अइसिन पदमे अपन नातागोताके व्यक्ति सोझै नियुक्त करे मिल्ना हो वा नैहो यी प्रश्न फेन बा । राज्यके स्रोतसे तलब भत्ता खैना ओ राज्यके स्रोत प्रयोग करना व्यक्तिके नियुक्ति पारदर्शी रूपमे कानुनबमोजिमके योग्यता पुगल ओ क्षमतावान् व्यक्ति हुइना आवश्यक बा । यकर लाग एक मापदण्ड बनाके व्यवस्थित करना जरुरी बा । अस्टेक विज्ञ एवं सल्लाहकार ढरना व्यवस्थाके बारेमे समेत टमान आवाज उठल बा । मन्त्रीहुकनके स्थायी सल्लाहकार कलेक कर्मचारीतन्त्र हो । वैतनिक सल्लाहकार ढरना आवश्यक नैहो ओ ढरेपरना आवश्यकता परलमे अवैतनिक रूपमे ढरना वा जटिल विषयमे राय सल्लाह लेहेपरना रहल अवस्थामे निश्चित समयके लाग सेवा करारमे लेहे सेक्जाइ । यसर्थ अइसिन विषयहे ध्यान डेके शिरसे सुधार करजाइ कलेसे यकर सन्देश सकारात्मक जाइ । विश्वके दृष्टान्त हेरलेसे फेन सुधारके सुरुवात मुहानसे हुइल पाजाइठ । यी वर्षके बजेट वक्तव्यमे राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रदेश प्रमुख, प्रधानमन्त्री, मन्त्री तथा सभामुख, अध्यक्ष, विपक्षी दलके नेता, सत्ता पक्षके नेता, सत्ता पक्षके मुख्य सचेतक, उपसभामुख, उपाध्यक्ष, विपक्षी दलके प्रमुख सचेतक, सत्ता पक्षके प्रमुख सचेतक, दलके प्रमुख सचेतक, सत्ता पक्षके सचेतक, विपक्षी दलके सचेतक ओ सभापति तथा संसद् सदस्यके निजी सचिवालयमे रहना विज्ञ एवं सल्लाहकार तथा कर्मचारीके दरबन्दी एवं संख्या प्रचलित कानुनमे संशोधन कैके वा अनुसूचीमे हेरफेर कैके पुनरवलोकन करल बा कना विषय समावेश करे सेक्लेसे मजा सन्देश प्रवाह हुइल बा । यिहिनसे आमजनतामे रहल निराशाहे कमे हुइलेसे फेन चिरना काम करि ।

फोहर व्यवस्थापनमे...

जनचेतना कार्यक्रमहे प्रभावकारी बनाइल रहे । उ काम अब्बे फेन सञ्चालनमे बावै । स्रोत व्यवस्थापन प्रालिके कार्यकारी निर्देशक कृष्ण भण्डारी परामर्शदाताके रूपमे सूक्ष्म वर्गीकरण केन्द्रमे कुछ समय कार्यरत रहिट । कुछ समय उपमहानगरपालिकासे नै उक्त वर्गीकरण केन्द्र सञ्चालन करल रहे ।

२०८१ साउन १ से नन्दादेवी सेवा केन्द्रहे वर्गीकरण केन्द्र उपमहानगरपालिकासे ठेक्कामे डेले बावै । उक्त केन्द्रमे हाल १५० जाने मनै रोजगारी पैले बटै, जेम्ने आर्थिक अवस्था कमजोर रहलहे प्राथमिकतामे राखके रोजगारी डेहल वर्गीकरण केन्द्रके कर्मचारी जगतलाल चौधरी जानकारी डेलै । चौधरीके अनुसार यहाँ घर, होटल, कलकारखाना ओ बजारसे सङ्कलन करल नैकुहना फोहर वर्गीकरण कैके पुनः प्रयोग हुइना वस्तु छुट्याजाइठ् । कुहना फोहर बायोग्याँस प्लान्टमे पठाजाइठ् कलेसे नैकुहना वस्तु प्लास्टिक, कागज, टिन, फलाम, सीसा आदि छुट्याके पुनः प्रशोधनके लाग उद्योगमे पठाजाइठ् । प्लास्टिक ओ धातुजन्य वस्तु मेसिनसे डबाके छोट बनाजाइठ, जिहीहे डल्ला वा पाता बनाके बिक्री करजाइठ् ।

बायोग्याँस प्लान्टके सञ्चालन निजी कम्पनी 'देव तालिम तथा व्यवस्थापन केन्द्र' से करले बावै । वैकल्पिक ऊर्जा प्रवर्द्धन केन्द्रसे ८ करोड अनुदान ओ कम्पनीके २० करोड ८४ लाख लगानीमे प्लान्ट निर्माण हुइल सञ्चालक रवीन पन्त जानकारी डेलै । कम्पनीसे यी प्लान्ट २० बरससम चलाके उपमहानगरहे हस्तान्तरण कैना बावै । प्लान्ट दैनिक ३० टन कुहना फोहर खपत करे सेक्ना क्षमताके रहल बावै । यहाँ उत्पादन हुइना ग्याँस खाना पकैना, वेल्डिङ कैना तथा सवारी साधन चलैना प्रयोजनमे प्रयोग करे सेकजाइठ् ।

ग्याँस उत्पादनपाछे बाँकी लेदो पदार्थहे मलके रूपमे प्रयोग करजाइठ् । प्लान्ट सञ्चालनके लाग चाहना जग्गा ओ फोहर उपमहानगरसे उपलब्ध कराइल हो । ग्याँस परीक्षण सफल होसेक्लेसे फेन व्यावसायिक बिक्री सुरु हुइना भर कुछ तयारी बाँकी रहल कम्पनी सञ्चालक पन्त बटैलै । सूक्ष्म वर्गीकरण केन्द्रमे काम कैना मीना चौधरी प्रारम्भमे सहरभरके फोहर हाठसे छानेबर अत्यन्तै कर्रा रहल अनुभव सुनैली । अब्बे उहाँ काममे सन्तुष्टि पैटी रहल बटैले बटी । 'फोहरसे मोहर बन्ना पता पाइलपाछे काम कैना सुरु करल हुइटु । अब्बे कम रलेसे फेन कमाइ हुइठ,' उहाँ कहली ।

पहिले फोहर कहटीसाथ नाक खुम्च्याइना मनै अब्बे उत्सुकताके साथ वर्गीकरणबारे पुँछे आइ लागल चौधरी बटैली । अस्पताल तथा उद्योगसे निकरना हानिकारक फोहर व्यवस्थापन कैना सूक्ष्म वर्गीकरण केन्द्र लगेहे औरे केन्द्र निर्माण हुइल उपमहानगर प्रमुख गोपाल हमाल बटैलै । उहाँ कहलै, 'धनगढीहे स्वच्छ ओ व्यवस्थित सहर बनाइक लाग हम्रे योजनाबद्ध रूपमे आघे बह्रटी रहल बटी ।' हाल उपमहानगरपालिकामे ६० सफाइ कर्मचारी, ६ चालक, ३ सुपरभाइजर ओ सूक्ष्म वर्गीकरण केन्द्रमे १२ कर्मचारी कार्यरत बटै । प्रत्येक भित्री सडकमे दैनिक झाडु लगैना ओ फोहर नियमित उठैना काम हुइटी रहल सरसफाइ इन्चार्ज हरिदत्त प्रसाद भट्ट जानकारी डेलै ।

फोहरसे उपमहानगर हालसम २२ लाख रुपैयाँसे ढेर आम्दानी करसेकल बावै । चालु आर्थिक बरसमे किल ठेक्का डेहल सेवा केन्द्र ९४ लाख रुपैयाँ राजस्व बुझैले बावै । समुदायमे स्थानीय अगुवा ओ जनप्रतिनिधि जागरूकता फैलैटी वर्गीकरण अभ्यासहे सफल बनैना सहयोग कैटी रहल बटै । उपमहानगरसे भविष्यमे जैविक मल उत्पादन तथा फोहरसे बिजुली उत्पादन कैना सम्भावनाके समेत अध्ययन करटी रहल बावै । 'हाम्रो धनगढी, सफा धनगढी' कना मूल नारासहित उपमहानगरसे सञ्चालनमे लानल सूक्ष्म वर्गीकरण केन्द्रसे धनगढी सहरहे सफा रख्ना सहयोग पुगैटी रहल बावै ।

सहिद दशरथ चन्द...

शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्री, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्री लगायत टमान विभागके प्रमुख तथा कर्मचारीहे धन्यवादसमेत ज्ञापन करल बावै ।

कैलालीके प्रमुख जिल्ला अधिकार गोगनबहादुर हमाल प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषद्के कार्यालयमे ज्ञापनपत्र पठैना बटैले बटै । उहाँ विश्वविद्यालयके लाग आवश्यक बजेट व्यवस्थापनके लाग प्रमुख जिल्ला अधिकारीके हैसियतसे फेन समन्वय कैना बटैले बटै ।

स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय स्थापनार्थ संघर्ष समितिसे सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहहे समेत धन्यवाद डेहल बावै । बिफेक रोज संघर्ष समितिसे मुख्यमन्त्री कमल बहादुर शाहहे भेटके ज्ञापन पत्र बुझाइल हो । मुख्यमन्त्री शाहहे समेत विश्वविद्यालय सञ्चालनके लाग बजेट व्यवस्थापनके लाग माग करल बावै ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । –*सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके **प्रायोजक:**

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८३४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालिय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०

ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०

नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालिय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०

दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७११०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३११२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालिय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालिय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

नोनके खरिद विक्री निजी फेन करे पैना

काठमाडौं, ८ जेठ । सरकार आयोडिनयुक्त नोनके कारोबार निजी क्षेत्रहे सुम्पना निर्णय करले बा । गैल महिना सरकारके मन्त्रीपरिषद्से आयोडिनयुक्त नोन (उत्पादन तथा विक्रीवितरण) ऐन, २०५५ लागु करना निर्णय कैके अइना सावन १ गतेसे कार्यान्वयन करना मेरिक वैशाख २२ गते राजपत्रमे सूचना जारी कैसेक्लेसे बा ।

बिटल छ दशकसे साल्ट ट्रेडिङ कर्पोरेसन विक्री करलेसे फेन नयाँ ऐन कार्यान्वयनमे आइलसँगे साल्ट ट्रेडिङबाहेक अन्य निजी उद्योगी फेन आयोडिन नोनके आपूर्ति तथा कारोबार करे पाइ । उ ऐनमे नोन कारोबार करना इच्छुक सबहे अनुमति डेहे सक्ना व्यवस्था बा ।

पाछेक चो स्वास्थ्य मन्त्रालयके प्रस्तावमे उ ऐन नानल हो । आयोडिनयुक्त नोनके उत्पादन, पैठारी, आपूर्ति तथा विक्रीवितरण करे चाहल व्यक्ति वा संस्था यी ऐनबमोजिम अनुमति प्राप्त करेपरना बा । हालसम साल्ट ट्रेडिङसँग किल निहित रहल नोनके कारोबार यिहे प्रावधानसे सबहे खुला करले बा ।

ऐनमे आयोडिनयुक्त नोनके कारोबार करना अनुमति प्राप्त करे चाहल व्यक्ति वा संस्था स्वास्थ्य सचिव नेतृत्वके समितिसमक्ष निवेदन डेहेपरना उल्लेख बा ।

यकर अर्थ आब साल्ट ट्रेडिङ फेन उ समितिमे निवेदन डेहेपरना बा । अस्टेक दफा ७ मे दरखास्तवाले आयोडिनयुक्त नोनके उत्पादन, पैठारी, आपूर्ति तथा विक्रीवितरण करना उचित देखलमे समितिसे तोकलबमोजिमके ढाँचामे दरखास्तवालाहे अनुमतिपत्र डेना उल्लेख बा । यकर अर्थ निजी दरखास्तवालाहे नोन आपूर्ति तथा विक्रीवितरणके अनुमति डेहे सेकि ।

साल्ट ट्रेडिङसे सुलभ रूपमे देशके दुर्गम क्षेत्रसम साल्ट ट्रेडिङले ६२ वर्षसे नोनके अविछिन्न नोन आपूर्ति करटि बा । कर्पोरेसनके सहायक प्रमुख कार्यकारी अधिकृत व्रजेश झा अप्ठ्यारो अवस्थामे समेत दुर्गम क्षेत्रमे नोनके सहज आपूर्ति करल बटैलैं । उहाँक अनुसार सरकारी निकायके प्रत्यक्ष निगरानीमे कारोबार हुइटि बा कलेसे सरकारी नीति अनुसार छ महिनाहे धन्ना नोन मौज्दात ढरल बा ।

उपभोक्ता अधिकारकर्मी प्रेमलाल महर्जन विगतमे जस्टे बजेटमार्फत निजी क्षेत्रहे नोनके कारोबार खुला करना उद्देश्यसे आयोडिन ऐन आइल बटैलैं । साल्ट ट्रेडिङसे हुइटि रहल कारोबार निजी क्षेत्रहे डेहे नैपरना कटि उहाँ कलैं, "साल्ट ट्रेडिङमार्फत विक्रीवितरण करटि रहल आयोडिनयुक्त नोनके कारोबार खुला बजारके नाममे निजी क्षेत्रहे खुला करना प्रपञ्च कैके सुव्यवस्थित वितरण प्रणाली ध्वस्त करना प्रयास हुइटि बा ।"

स्वास्थ्य मन्त्रालयके प्रवक्ता डा. प्रकाश बुढाथोकी भर नोनमे आयोडिनके मात्राबारे गुनासो रहल ओरसे सम्बोधन करना ऐन जारी करल दाबी करलैं । उहाँक अनुसार अब्बे उपभोग हुइटि रहल नोनमे आयोडिनके मात्राहे लेके बहस हुइटि बा । उहिनहे सम्बोधन करना ऐन नानल हो । निजी क्षेत्रहे नोन कारोबार करे डेना कौनो उद्देश्य नैरहल उहाँक कहाइ बा ।

नोनके आपूर्ति ओ कारोबार करेक लाग सरकार २१.७८ प्रतिशत लगानी कैके २०२० सालमे साल्ट ट्रेडिङ कर्पोरेसनके स्थापना करले रहे । कर्पोरेसनके निर्देशक झाके अनुसार अब्बे आयो, भानु ओ शक्ति कैके तीन ब्रान्डमे नोन विक्री हुइटि बा । दुर्गममे प्रतिकेजी नौ रुपियाँमे भानु, तराईमे प्रतिकेजी १८ रुपियाँमे शक्ति ओ सहरी क्षेत्रसहित सब भूभागमे प्रतिकेजी २६ रुपियाँमे आयो नोन उपलब्ध कराइल निर्देशक झा जानकारी डेलैं । कर्पोरेसन नोन कारोबार करलेसे फेन गुणस्तर, विक्री परिमाणलगायत सब सरकारसे नियमन हुइटि बा । उकारण हालसम आपूर्तिमे कौनो समस्या नैहो ।

सर्वोच्च अदालतसे नोन कारोबारमे निजी क्षेत्रहे आमन्त्रण करे नैपरना रायसहितके फैसला २०६१ चैत २३ मे करले बा । सरकार नोन कारोबार करना साल्ट ट्रेडिङ किल रोजल कटि एक निजी कम्पनीसे डेहल रिटके सुनुवाइ करटि सर्वोच्चके तत्कालीन न्यायाधीशद्वय दिलीपकुमार पौडेल ओ बलराम केसीके इजलाससे 'देशके पहाडी तथा दुर्गम हिमाली जिल्लामे फेन नोनके आपूर्ति कैके विक्रीवितरण करना व्यवस्था मिलाइपरना प्रथम दायित्व सरकारके रना' फैसला करटि साल्ट ट्रेडिङसे किल नोनके कारोबार करना सरकारके निर्णय सही रहल आदेश डेले रहे ।

सुधारके शुभारम्भ...

कना ढरना उपयुक्त रहठ ।

राजनीतिक पद एवं पदाधिकारीके निजी सचिवालयमे रहना कर्मचारीके योग्यता एवं नियुक्ति प्रक्रियासमेतके सम्बन्धमे टमान तह ओ तप्कासे आवाज उठल बा । राजनीतिक पद एवं पदाधिकारीके निजी सचिवालयमे रहना कर्मचारीसे राज्यके स्रोतसे तलबभत्ता खैना व्यवस्था बा । यी सार्वजनिक जवाफदेहीके पद हो । तसर्थ अइसिन पदमे अपन नातागोताके व्यक्ति सोझे नियुक्त करे मिल्ना हो वा नैहो यी प्रश्न फेन बा । राज्यके स्रोतसे तलब भत्ता खैना ओ राज्यके स्रोत प्रयोग करना व्यक्तिके नियुक्ति पारदर्शी रूपमे कानुनबमोजिमके योग्यता पुगल ओ क्षमतावान् व्यक्ति हुइना आवश्यक बा । यकर लाग एक मापदण्ड बनाके व्यवस्थित करना जरुरी बा । अस्टेक विज्ञ एवं सल्लाहकार ढरना व्यवस्थाके बारेमे समेत टमान आवाज उठल बा । मन्त्रीहुकनके स्थायी सल्लाहकार कलेक कर्मचारीतन्त्र हो । वैतनिक सल्लाहकार ढरना आवाश्यक नैहो ओ ढरेपरना आवाश्यकता परलमे अवैतनिक रूपमे ढरना वा जटिल विषयमे राय सल्लाह लेहेपरना रहल अवस्थामे निश्चित समयके लाग सेवा करारमे लेहे सेक्जाइ ।

यसर्थ अइसिन विषयहे ध्यान डेके शिरसे सुधार करजाइ कलेसे यकर सन्देश सकारात्मक जाइ । विश्वके दृष्टान्त हेरलेसे फेन सुधारके सुरुवात मुहानसे हुइल पाजाइठ । यी वर्षके बजेट वक्तव्यमे राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रदेश प्रमुख, प्रधानमन्त्री, मन्त्री तथा सभामुख, अध्यक्ष, विपक्षी दलके नेता, सत्ता पक्षके नेता, सत्ता पक्षके मुख्य सचेतक, उपसभामुख, उपाध्यक्ष, विपक्षी दलके प्रमुख सचेतक, सत्ता पक्षके प्रमुख सचेतक, दलके प्रमुख सचेतक, सत्ता पक्षके सचेतक, विपक्षी दलके सचेतक ओ सभापति तथा संसद् सदस्यके निजी सचिवालयमे रहना विज्ञ एवं सल्लाहकार तथा कर्मचारीके दरबन्दी एवं संख्या प्रचलित कानुनमे संशोधन कैके वा अनुसूचीमे हेरफेर कैके पुनरवलोकन करल बा कना विषय समावेश करे सेक्लेसे मजा सन्देश प्रवाह हुइल बा । यिहिनसे आमजनतामे रहल निराशाहे कमे हुइलेसे फेन चिरना काम करि ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

Vacancy Announcement

Position Title: Executive Officer
Location: Dhangadhi, Kailali
Employment Type: [Full-time]
Application Deadline: [2082/02/15]
Written Examination: 2082/02/16
Interview: 2082/02/23

About the Organization KCCI:

The Kailali Chamber of Commerce and Industry (KCCI) is a leading non profit business organization committed to promoting economic growth, industrial development, and entrepreneurship in the Kailali region. As a representative of the private sector, KCCI advocates for business-friendly policies, supports local enterprises, and fosters partnerships to enhance the business environment.

Position Summary:

The Executive officer is the chief executive of KCCI, responsible for overseeing the administration, programs, and strategic plan of the organization. Other key duties include fundraising, marketing, community outreach, and staff leadership. This position reports directly to the Board of Directors.

KCCI is seeking a dynamic and visionary Executive officer to lead the organization's daily operations and strategic initiatives. The Executive officer will work closely with the Executive Committee and stakeholders to strengthen member services, policy advocacy, business development programs, and regional economic initiatives.

Key Responsibilities:

1. Lead the implementation of KCCI's strategic plans and policies.
2. Manage day-to-day operations, administration, and staff.
3. Promote collaboration with government bodies, business leaders, and development partners.
4. Oversee financial management, budgeting, and reporting.
5. Organize events, trade fairs, and business promotion activities.
6. Strengthen member engagement and services.
7. Advocate for the interests of the local business community.

Qualifications:

Master's degree in Business Administration, Economics, Development Studies, or related fields.
Minimum 5 years of leadership experience in government organization's, business association, nonprofit organization's, or similar organization.
Age of the candidate should be between 30 to 45 years on application date.
Strong leadership, communication, and networking skills.
Proven ability in program development, policy advocacy, and organizational management.
Familiarity with the economic and business landscape of Sudurpashchim Province.
Command on both Nepali and English typing and communication skills.
Salary and Compensation:
Competitive salary based on qualifications and experience, along with benefits as per organizational policy.

How to Apply:

Interested candidates are requested to submit a cover letter, updated CV, and contact details of at least two referees to [kailalicci@gmail.com] by [2082/02/15]. Or can be submitted to office of the KCCI.
Application fee: 2500
Subject line for cover letter: Application for Executive officer – KCCI
KCCI is an equal opportunity employer. Women and candidates from underrepresented groups are strongly encouraged to apply.

For more information please contact office of the KCCI or call @ 091521237, 9858420537

Kailali Chamber of Commerce and Industry (KCCI)
Dhangadhi, Kailali

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

थारू ओ डोटेली भाषाहे सरकारी कामकाजके भाषा बनैना माग

पहुरा समाचारदाता

बेलौरी, ८ जेठ । भाषा आयोगसे प्रदेशमे सरकारी कामकाजके लाग सिफारिस करल दुई भाषा थारू ओ डोटेली भाषाहे सरकारी कामकाजके भाषा तत्काल कार्यान्वयन कैना यहाँके अगुवा बुद्धिजिवीहुक्के माग करले बटै ।

भाषा आयोग नेपालसे बुधके यहाँ आयोजना करल कार्यक्रममे विज्ञहुक्के उ माग करल हुइट । वि.सं. २०७८ भदौ २१ गते भाषा आयोगसे सरकारहे १२ ठो भाषा सरकारी कामकाजके रुपमे प्रयोगके लाग सिफारिस करल रहे ।

सुदूरपश्चिममे अब्बेसम दुई भाषाहे सरकारी कामकाजके भाषाके रुपमे कार्यान्वयन कैना ऐन मस्यौदा करल नैहो । ऐन मस्यौदा हुइलपाछे प्रदेश सरकारसे पारित कैके प्रदेश प्रमुखसे प्रमाणीकरण करलमे ऐन कार्यान्वयनमे अइना प्रावधान रहल बावै ।

भाषा आयोगसे सुदूरपश्चिममे थारु ओ डोटेली भाषाहे सरकारी कामकाजके भाषाके रुपमे प्रयोग कैना सिफारिस करले बावै । ओस्टके, कोशीमे मैथिली ओ लिम्बू, मधेसमे मैथिली, भोजपुरी ओ बज्जिका, बागमतीमे तामाङ ओ नेवार, गण्डकीमे मगर ओ गुरुङ, लुम्बिनीमे थारु, अवधि ओ भोजपुरी, कर्णालीमे मगर भाषाहे सिफारिस करले बावै ।

यी मध्ये बागमती प्रदेश सरकारसे किल अब्बेसम ऐन निर्माण कैके प्रदेशमे सरकारी कामकाजके रुपमे तामाङ ओ नेवार भाषाके कार्यान्वयन करसेकल बावै । बागमती प्रदेश सरकारके लाग ऐन मस्यौदा होके २०८० कात्तिक २३ मे प्रमाणीकरण होके २०८१ वैशाख २४ से कार्यान्वयनमे आइल रहे ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशमे सरकारी कामकाजके भाषा तथा मातृभाषा शिक्षाके नमुना विकाससम्बन्धी अन्तरक्रिया कार्यक्रममे तीन जाने विज्ञ कार्यपत्र प्रस्तुत करल रहिट । उ अवसरमे थारु भाषाके सरकारी कामकाजके सम्बन्धमे पत्रकार लक्की चौधरी, डोटेली भाषाके लाग रमेश पन्त मितबन्धु ओ मातृभाषाके प्रयोग ओ चुनौती विषयमे विज्ञ डा. ज्ञानुराज पौडेल कार्यपत्र प्रस्तुत करल रहिट ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सभा सदस्य देवानसिंह विष्ट सरकारी कामकाजी भाषा थारु ओ डोटेली प्रयोगमे अइना हुइलेसे फेन कुछ समय लग्ना बटैलै । प्रदेश सभासे ऐन मस्यौदाके काम आभिन सुरु नैहुइलेसे फेन सरोकारवाला पक्षसे दवाव डेहे पर्ना उहाँके आग्रह रहल रहे । चारचो सरकार बन्लेसे फेन प्रदेश ऐनके मस्यौदा बने नैसेकल उहाँके कहाइ रहल बा ।

भाषा आयोगके अध्यक्ष डा. गोपाल ठाकुर आयोगसे सिफारिस करल १२ भाषामध्ये दुई भाषा किल बागमतीमे कार्यान्वयनमे आइल जानकारी डेलै । सुदूरपश्चिममे फेन हाली दुई भाषा सरकारी कामकाजमे प्रयोग कैना उहाँ प्रदेश सरकारसँग आग्रह करल रहिट । भाषा आयोगसे सुदूरपश्चिममे दुई भाषा सिफारिस करलेसे फेन पालिका स्तरमे बाहुल्यताके आधारमे अन्य भाषाहे फेन प्रयोग करे सेकजैना उहाँ बटैलै ।

कार्यक्रममे सुदूरपश्चिम प्रज्ञा प्रतिष्ठानके उपकुलपति डा. टीएन जोशी, भाषा आयोगके सदस्य डा. पुष्कर्राज भट्ट, संविधानसभा सदस्य कृपाराम रानाथारु, प्रदेश सभा सदस्य गीता चौधरी, भाषाविज्ञ खगेन्द्र जोशी, वरिष्ठ साहित्यकार पद्मराज जोशी, भाषा आयोगके कार्यबाहक सचिव डा. लोकबहादुर लोप्चन, थारु कल्याणकारिणी सभा कञ्चनपुरके अध्यक्ष सानु चौधरी, तिलक सिंह लगायत धारणा राखल रहिट ।

निसर्गके मानव सेवा अभियान

दृष्टि फाउन्डेशके लाग ५ लाख सहयोग ओ उपचार सम्झौता

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ८ जेठ । सामाजिक उत्तरदायित्व अन्तर्गत निसर्ग हस्पिटल धनगढीसे दृष्टि फाउन्डेशन नेपालके अक्षय कोष स्थापनार्थ रु ५ लाख बराबरके चेक हस्तान्तरण करले बा ।

उ चेक दृष्टि फाउन्डेशन नेपालके कार्यालय, धनगढी उपमहानगरपालिका–१३ मे आयोजित विशेष समारोहके बीच फाउन्डेशनके अध्यक्ष कल्पना भट्टहे हस्तान्तरण करल हो ।

कार्यक्रममे निसर्ग हस्पिटलके अध्यक्ष तथा युवा समाजसेवी तिर्थराज पन्त, डा. हेमन्त ओझा, डा. दीपक ठकुराठी, डा. प्रभात सापकोटा, डा. दीपकपौडेल लगायत अस्पतालके कर्मचारी, नर्सिङ स्टाफ तथा अन्य पदाधिकारीहुकनके उपस्थिति रहल रहे ।

हस्पिटलके अध्यक्ष पन्तसे संस्थाके स्थापनाकालसे दृष्टि फाउन्डेशनमे आश्रय लेके बैठटी आइल असहाय तथा विपन्न नागरिकहुकनहे निःशुल्क तथा भारी छुटमे उपचार सेवा डेटी आइल बटैलै ।

कार्यक्रममे बोल्टी पन्त कहलै, "निसर्ग हस्पिटलसे सदैव असहाय, गरिब तथा समाजके पाछे परल वर्गहे प्राथमिकतामे रख्टी सेवा करटी आइल बा । हमार सक्कु शेयर सदस्य, चिकित्सक, कर्मचारी, नर्सिङ स्टाफसे व्यवस्थापन तहसमके सक्कु जाने स्वेच्छिक रुपमे यी सहयोगमे सहभागी हुके एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करले बटै ।"

उ अवसरमे निसर्ग हस्पिटल ओ दृष्टि फाउन्डेशनबीच एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सम्झौतासमेत सम्पन्न हुइल बा । जौन अनुसार दृष्टि फाउन्डेशनमे बसोबास कैना सेवाग्राहीसे निःशुल्क उपचार सुविधा ओ अन्य सेवामे ३० प्रतिशतसम छुट पैही ।

पन्तसे धनगढीमे रहल आमाको माया छात्रावास, मानव सेवा आश्रम लगायतके संस्थासंगफे हस्पिटलसे टमान समयमे सहयोग करटी आइल उल्लेख करटी, आगामी दिनमे समेत सामाजिक संस्थासंग हातेमालो करटी सेवा विस्तार कैना प्रतिबद्धता व्यक्त करलै ।

कञ्चनपुरके सात वडा विपद् संकटग्रस्त क्षेत्र घोषणा

कञ्चनपुर, ८ जेठ । सरकारसे कञ्चनपुरके सात वडाहे विपद् संकटग्रस्त क्षेत्र घोषणा करले बावै । गैल बरसके बाढसे महाकाली लडियामे भट्कल गाइडबन्ड (बाँध) निर्माणमे ढिलाइ हुइलपाछे जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिके बैठकसे महाकाली पुल, पुलके पहुँच मार्ग ओ आसपासके बस्तीमे जोखिममे रहल ओरसे उक्त क्षेत्र संवेदनशील रहल विपद् संकटग्रस्त क्षेत्रके घोषणाके लाग गृह मन्त्रालयहे सिफारिस करल रहे ।

जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिके सिफारिस बमोजिम मन्त्रिपरिषद्के बैठकसे कञ्चनपुरके भीमदत्त नगरपालिका वडा नम्बर ११, १२, १३ ओ दोधारा चाँदनी नगरपालिकाके वडा नम्बर ३, ८, ९, १० हे तीन महिनाके लाग विपद् संकटग्रस्त क्षेत्र घोषणा कैना निर्णय करल हो । कञ्चनपुरके प्रमुख जिल्ला अधिकारी लक्ष्मण ढकाल विपद् सक्तग्रस्त क्षेत्र घोषणा हुइलेसे फेन उक्त क्षेत्रमे कैसिक काम कैना बारे उप्पर निकायसे कौनो जानकारी नैआइल बटैलै ।

भीमदत्त नगरपालिका वडा १२ के वडाध्यक्ष भूपेन्द्रसिंह रावल विपद् सक्तग्रस्त क्षेत्र घोषणापाछे नेपाली सेना काम कैना जानकारी पाइल बटैलै । 'यहाँ बाढके ढेर जोखिम बावै यहाँके स्थानीय बाँध निर्माणके लाग घरी घरी आन्दोलन करले बटै,' वडाध्यक्ष रावल कहलै, 'संकटग्रस्त क्षेत्र घोषणा हुइल बावै आब नेपाली सेना काम करही कना जानकारी पैले बटु ।'

गैल बरस भदौमे महाकाली लडियामे आइल बाढसे महाकाली लडियामे बनल चार लेनके पुलसँगे निर्माण हुइटी रहल पोखरीके गाइडबण्ड (बाँध) भत्काइल रहे । उक्त गाइडबण्डके भेरिएसन नैहोके पुनःनिर्माण हुइ सेकल नैहो । उक्त गाइडबण्ड निर्माणके लाग सुरुमे बरबार ढुङ्गाके प्रयोग कैना डिजाइन बनाइल रहे । मने बरबार ढुंगा नैपाइलपाछे कंक्रिट ओ तारजालीमे ढुंगा भरके गाइडबण्ड बनैना डिजाइन बनाइल हो । मने उक्त डिजाइन ढिला मेरके स्वीकृत हुइलपाछे हालसम भेरिएसन हुइल नैहो ।

भेरिएसन नैहुइलपाछे पुल निमार्ण कम्पनीसे ठेक्का तोर्ना तयारी करले बावै । लम्मा समयसम काम करे नैपाइलपाछे ठेक्का टुर्ना तयारी करल निर्माण कम्पनी कुमार श्रेष्ठ सीएफइसी जेभीके इञ्जिनियर किशोर पाण्डे जानकारी डेलै । 'एक बरससे हम्रे काम करे पाइल नैहुइटी ओस्टहे बैठ्नासे ठेक्का टुर्ना तयारीमे बटी,' उहाँ कहलै, 'हमै काम करब कलेसे फेन काम करे नैपैली भेरिएसन नैहोके काम कैना वातावरण नैबनल ।'

महाकाली लडियामे निर्माण हुइल आठ सय मिटर पुलके डुनु ओर दुई हजार सात सय मिटर लम्बाइ ओ छ सय मिटर चौडाइके पोखरी निर्माणाधीन बावै । पक्की पुल, पहुँच मार्ग ओ गाइडबन्डलगायतके ९५ प्रतिशत काम होसेकल बावै । आब दुई सय मिटर पहुँचमार्ग कालोपत्र सँगे गाइडबण्डके काम किल बाँकी रहल बावै । २०७४ मे ३ बरसभित्रे निर्माण सेक्ना मेरके रु तीन अर्ब २७ करोडमे कुमार श्रेष्ठ सीएफइसी जेभीसँग सम्झौता हुइल रहे ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. संजयकुमार गुप्ता

एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)

इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ

एन.एम.सी. नं.-१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ह्याउ-ह्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (ब्याँफोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९